भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

राष्ट्रीय सहारा

दिनांक : 05.02.2019

आईआईटी बीएचयू के कैंपस में जल्द बनेगा 'मिनी डीआरडीओ'

■ शिवेंद्र सिंह

वाराणसी। एसएनबी

बीएचयू आईआईटी में मिनी डीआरडीओ इनोवेशन और रिसर्च सेंटर' बनाने के लिए गेंद अब केन्द्र के पाले में है। इसके लिए आईआईटी ने प्रपोसल बनाकर मानव संसाधन विकास मंत्रालय को भेज दिया है। इसके बारे का खाका आईआईटी के सातवें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि आये डीआरडीओ प्रमुख डा. रेड्डी और आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. पीके जैन व अन्य संस्थान के वैज्ञानिकों के बीच ही खींचा गया था कि कैसे आईआईटी के ब्रेन को डिफेंस सेक्टर के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए आईआईटी की ओर से 500 करोड़ का एक प्रपोजल बनाकर भेजा जा चुका है। यह सेंटर बनने के बाद केन्द्र और यूपी की महत्वकांक्षी डिफेंस कारिडोर परियोजना के साथ जुड़ जायेगा।

निदेशक प्रो. पीके जैन ने राष्ट्रीय सहारा के साथ खास बातचीत में बताया कि यह इनोवेशन और रिसर्च सेंटर बनाने के लिए आईआईटी ने प्रयास तेज कर दिये है। इसमें बनने के लिए 500 करोड़ से अधिक की लागत आयेगी। कुछ फंड केन्द्र से, कुछ राज्य से और कुछ आईआईटी के अपने प्रयास से आयेगा। इसके लिए जमीन भी देख लिया गया है। यह मल्टी स्टोरी रिसर्च सेंटर बीएचयू के आईआईटी कैंपस में ही स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज के बगल में खाली पड़ी जमीन पर बनेगा। इसके बनने के बाद इसे यूपी में प्रस्तावित डिफेंस कारिडोर के साथ में जोड़ा जायेगा। क्योंकि इसके बनने में काफी फंड की जरूरत पड़ेगी तो इसके लिए केवल फंड केन्द्र से ही नहीं ली जायेगी बल्कि फंड के लिए यूपी के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से भी बातचीत हो रही है। आईआईटी अपने स्तर पर भी इसके लिए फंड इकट्ठा करेगा। इसके तहत ग्लोबल एल्युमनाई मीट में आने वाले हमारे पुरा छात्रों से भी इसमें पैसा लगाने की अपील किया जायेगा। क्योंकि हमारे कई पुरातन छात्र एलसीए प्रोजेक्ट से जुड़े है और वह भी मीट में हिस्सा लेने के लिए आ रहे है तो उनसे भी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। उन्होंने आगे बताया कि इस डिफेंस रिसर्च सेंटर के लिए केवल डिफेंस पर ही रिसर्च नहीं हो बल्कि मेटिरियल साइंसेज, इनोवेसन मैनुफैक्चरिंग व ट्रेनिंग और स्किल हब के रूप में इसको विकसित किया जायेगा। यहां पर ड्रोन, राडार सहित डिफेंस व अन्य सेक्टर के इनोवेसन को अपग्रेड करने की कोशिश होगी।

डिफेंस के क्षेत्र में होगा रिसर्च

500 करोड़ से उपर होगा खर्च

केंद्र, राज्य और पुरातन छात्र करेंगे सहयोग

केंद्र की महत्वकांक्षी डिफेंस कारिडोर से जुड़ेगा सेंटर